



## कोरोना वायरस महामारी और बच्चों पर प्रभाव

### प्रलिस के लिये

यूनिसिफ, कुपोषण, बहुआयामी गरीबी

### मेन्स के लिये

बच्चों पर कोरोना वायरस महामारी का प्रभाव

## चर्चा में क्यों?

'वशिव बाल दविस' के अवसर पर [यूनिसिफ](#) (UNICEF) द्वारा जारी एक रपिर्ट के अनुसार, कोरोना वायरस के 9 में 1 मामला 20 वर्ष से कम आयु के बच्चों और कशिरों से संबंधित है।

## प्रमुख बदि

- रपिर्ट में कहा गया है क'3 नवंबर, 2020 तक 87 देशों में आए 25.7 मलियन संक्रमण के मामलों में से 11% मामले बच्चों और कशिरों से संबंधित हैं।
- **रपिर्ट संबंधी प्रमुख नषिकरष**
  - कोरोना वायरस महामारी के कारण बच्चों से संबंधित स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं में आए व्यवधान के कारण बच्चों पर एक गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।
  - रपिर्ट में प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, कोरोना वायरस संक्रमण के कारण वशिव के लगभग एक-तहिई देशों में नयिमति टीकाकरण जैसी स्वास्थ्य सेवाओं के कवरेज में तकरीबन 10 प्रतशित की गरिवट देखने को मली है।
  - वशिव के 135 देशों में महिलाओं और बच्चों के लिये पोषण सेवाओं के कवरेज में 40 प्रतशित की गरिवट है, जसिका दीर्घकाल में खतरनाक परणाम हो सकता है।
  - रपिर्ट में कहा गया है क'महामारी के कारण वर्ष 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के 6 से 7 मलियन से अधिक बच्चे **वेसुटगि** (Wasting) और **कुपोषण** से पीड़ित हो सकते हैं, इसका सबसे अधिक प्रभाव सब-सहारा अफ्रीका और दक्षणि एशया में देखने को मलि सकता है।

## ?????? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ? ?

- **शकिसा के कषेतर में**
  - अपरैल माह के अंत में जब वशिव के अधकिंश देशों में लॉकडाउन लागू कया गया तो वदियालयों को पूरी तरह से बंद कर दया गया था, जसिके कारण वशिव के लगभग 90 प्रतशित छात्रों की शकिसा बाधति हुई थी और वशिव के लगभग 1.5 बलियन से अधिक स्कूली छात्र प्रभावति हुए थे।
  - कोरोना वायरस के कारण शकिसा में आई इस बाधा का सबसे अधिक प्रभाव गरीब छात्रों पर देखने को मला है और अधकिंश छात्र ऑनलाइन शकिसा के माध्यमों का उपयोग नहीं कर सकते हैं, इसके कारण कई छात्रों वशेषतः छात्राओं के वापस स्कूल न जाने की संभावना बढ़ गई है।
  - नवंबर 2020 तक 30 देशों के 572 मलियन छात्र इस महामारी के कारण प्रभावति हुए हैं, जो क'दुनया भर में नामांकित छात्रों का 33% है।
- **लैंगकि हसिा में वृद्धि**
  - लॉकडाउन और स्कूल बंद होने से बच्चों के वरिद्ध लैंगकि हसिा की स्थति भी काफी खराब हुई है। कई देशों ने घरेलू हसिा और लैंगकि हसिा के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है।
  - जहाँ एक ओर बच्चों के वरिद्ध अपराध के मामलों में वृद्धि हो रही है, वहीं दूसरी ओर अधकिंश देशों में बच्चों एवं महिलाओं के वरिद्ध होने वाली हसिा की रोकथाम से संबंधित सेवाएँ भी बाधति हुई हैं।
- **आर्थकि प्रभाव**
  - वैश्वकि स्तर महामारी के कारण वर्ष 2020 में **बहुआयामी गरीबी** में रहने वाले बच्चों की संख्या में 15% तक बढ़ोतरी हुई है और इसमें

अतः 150 मिलियन बच्चे शामिल हो गए हैं।

- बहुआयामी गरीबी के निर्धारण में लोगों द्वारा दैनिक जीवन में अनुभव किये जाने वाले सभी अभावों/कमी जैसे- खराब स्वास्थ्य, शिक्षा की कमी, निम्न जीवन स्तर, कार्य की खराब गुणवत्ता, हिसा का खतरा आदि को समाहित किया जाता है।

## उपाय:

- सभी देशों की सरकारों को **डिजिटल डिविड** को कम करके यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि सभी बच्चों को सीखने के समान अवसर प्राप्त हों और किसी भी छात्र के सीखने की क्षमता प्रभावित न हो।
- सभी की पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित की जानी चाहिए और जिन देशों में टीकाकरण अभियान प्रभावित हुए हैं उन्हें फिर से शुरू किया जाना चाहिए।
- बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाना चाहिए और बच्चों के साथ दुरव्यवहार और लैंगिक हिंसा जैसे मुद्दों को संबोधित किया जाना चाहिए।
- सुरक्षा पेयजल और स्वच्छता आदितक बच्चों की पहुँच को बढ़ाने का प्रयास किया जाए और पर्यावरणीय अवमूल्यन तथा जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को संबोधित किया जाए।
- बाल गरीबी की दर में कमी करने का प्रयास किया जाए और बच्चों की स्थिति में समावेशी सुधार सुनिश्चित किया जाए।

## वर्ल्ड बाल दैविस

- बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिये प्रत्येक वर्ष 20 नवंबर को वर्ल्ड बाल दैविस (World Children's Day) मनाया जाता है।
- इसे सबसे पहले वर्ष 1954 में मनाया गया था।

## स्रोत: द हट्टू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/1-in-9-children-infected-by-covid-19-unicef>